

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3416
उत्तर देने की तारीख-16/12/2024

छात्रों में सकारात्मक विचार लाने के लिए बनाए गए शिविर

†3416. श्रीमती डी. के. अरुणा:

श्री इटैला राजेंद्र:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार और गैर-सरकारी संगठनों सहित अन्य संगठनों द्वारा किशोरों, विशेषकर छात्राओं में "सकारात्मक विचार" लाने के लिए तैयार किए गए ऑनलाइन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है;
- (ख) क्या ऐसे कार्यक्रम तैयार किए गए हैं और इनका उद्देश्य आत्मविश्वास और शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास पर गहन रूप से ध्यान केन्द्रित करने के लिए साधन प्रदान करना है;
- (ग) ऐसे शिविरों के मॉड्यूल स्वस्थ अध्ययन आदतों, चिंता और तनाव प्रबंधन पर जोर देने के साथ ही छात्रों के लिए परीक्षा के अनुभव को बदलने पर केंद्रित हैं और अन्य मॉड्यूल अध्ययन रणनीतियों और "पॉजिटिव माइंड मास्टरी" पर गहनता से चर्चा करते हैं, जिसमें संशोधन दक्षता, स्मृति में सुधार, साथ ही कृतज्ञता अभ्यास और लक्ष्य निर्धारण की तकनीकें शामिल हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) इस संबंध में अब तक आवंटित और व्यय की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में राज्य-वार, विशेषकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इसके क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। स्कूल, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण सहित उनके समग्र विकास के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके विकास के विषय में समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है जो इष्टतम अधिगम हेतु आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एनईपी 2020 के परिप्रेक्ष्य के अनुसार, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने फाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) और स्कूली शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) तैयार और जारी की है। दोनों एनसीएफ विभिन्न पहलुओं जैसे पाठ्यक्रम विकास, अधिगम और शिक्षण सामग्री में विषय-वस्तु का विकास, शैक्षणिक पद्धतियों आदि में छात्रों की मानसिक

कल्याण को एकीकृत करते हैं। इस रूपरेखा में प्रत्येक छात्र को मानसिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों, शिक्षकों, स्कूल पदाधिकारियों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों की भूमिका पर भी बल दिया गया है। इसके अतिरिक्त, एनसीईआरटी ने देशभर के स्कूल छात्रों को अपनी समस्याओं को साझा करने में सहायता प्रदान करने हेतु अप्रैल 2020 में 'स्कूल के बच्चों के लिए एनसीईआरटी परामर्श सेवाएं' शुरू की हैं। यह सेवा देश के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 270 परामर्शदाताओं द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाती है।

आयुष्मान भारत के अंतर्गत स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वावधान में, एनसीईआरटी ने "प्रशिक्षण और संसाधन सामग्री: स्कूल जाने वाले बच्चों का स्वास्थ्य और कल्याण" शीर्षक का एक व्यापक पैकेज तैयार किया है। छात्रों और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित गतिविधियों वाला "भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य" संबंधी एक विशिष्ट मॉड्यूल शामिल किया गया है।

एनसीईआरटी ने वर्ष 2022 में मानसिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो स्कूलों में भरोसेमंद वातावरण, जहाँ छात्र अपने विचार प्रस्तुत करने में सुरक्षित महसूस करें, में उम्र और जेंडर-विशिष्ट कार्यक्रमों को कार्यान्वित करके छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन हेतु एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इसमें शिक्षकों को चिंता, उदास मनोदशा या अधिगम अक्षमता जैसे मुद्दों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और छेड़छाड़ या उत्पीड़न का तुरंत समाधान करने के लिए प्रशिक्षित करना शामिल है।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए, सरकार (शिक्षा मंत्रालय) ने दिनांक 21 जुलाई, 2020 को 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत "मनोदर्पण" नामक एक पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण हेतु देश भर के छात्रों, उनके परिवारों और शिक्षकों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और अन्य मनोसामाजिक मुद्दों संबंधी सहायता चाहने वाले देश भर के स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्रों तक पहुँचने के लिए एक राष्ट्रीय टोल-फ्री टेली-हेल्पलाइन (844-844-0632) है। इस हेल्पलाइन पर दी जाने वाली सेवाएँ निःशुल्क हैं।

देशभर के स्कूलों में वर्ष 2020 से प्रत्येक वर्ष मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह और अंतर्राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने को प्रोत्साहित किया जाता है। इसका उद्देश्य अनुभवात्मक गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। हाल ही में, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस अर्थात् 10 अक्टूबर, 2024 को युवाओं की भागीदारी के लिए मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा संबंधी एक राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, सरकार (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुँच में सुधार हेतु दिनांक 10 अक्टूबर 2022 को "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" (एनटीएमएचपी) शुरू किया है। दिनांक 22.11.2024 की स्थिति के अनुसार, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और टेली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ शुरू की हैं। हेल्पलाइन नंबर पर 15,95,000 से अधिक कॉल के उत्तर दिए गए हैं।
